Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education

Vol. X, Issue No. XX, Oct-2015, ISSN 2230-7540

REVIEW ARTICLE

उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि पर पुस्तकालय के प्रभाव का अध्ययन (शामली जिले के सन्दर्भ में)

AN INTERNATIONALLY INDEXED PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL

www.ignited.in

Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. X, Issue No. XX, October-2015, ISSN 2230-7540

उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि पर पुस्तकालय के प्रभाव का अध्ययन (शामली जिले के सन्दर्भ में)

Balwant Singh Rajodiya*

Lecturer (Library Science), V.S.P. Govt. P.G. College, Kairana (Shamli) U.P.

----------X----------

1. प्रस्ताावना

समाज के सर्वोन्मुखी विकास मे पुस्तकालयों का महत्वपूर्ण योगदान है। गेराल्ड जानसन ने अपनी पुस्तक 'पब्लिक लाइब्रेरी सर्विसेज' मे लिखा हैं, ''विष्व के सर्वोत्तम विचारों को जानने का सबसे तेज और सबसे सरल माध्यम पुस्तकालय हैं''। पुस्तकालय ही एक ऐसा स्थान है जहाँ गहन ज्ञान ये परिपूर्ण पुस्तकें व्यवथित रूप से पाठकों के लिये रखी जाती है। इस प्रकार मनु"य के व्यक्ति के पुस्कालयों का योगदान अनुपम है।

विद्यालयों में बच्चों को केवल पढ़ने की शिक्षा देना प्राप्त नही है। उससे कही आवश्यक है कि उनके लिये उपादेय और स्वस्थ पाठय सामग्री उपलब्ध की जाये। इस मंगलमय उद्देश्य की पूर्ति केवल विद्यालय–पुस्तकालय के द्वारा ही की जा सकती है जो ना केवल उन्हें ऐसी पुस्तके दे सकता है बल्कि उन्हें उन पुस्तकों और पुस्तकालयों मे उपलब्ध सभी पाठ्य–सामग्री के उपयोग की विधियों मे इस प्रकार निर्दशन भी कर सकता है। जिससे उनके भावी जीवन मे भी पुस्तकों से उनका सम्पर्क बराबर बना रहे। पुस्तकालय विद्यालय की प्रत्येक शाखा की सेवा करता है। सभी शिक्षकों, शिक्षार्थियों, प्रत्येक वर्ग–कक्षा, पठन–पाठन, कार्यक्रम के सभी विषय, इन सभी का पुस्तकालय सेवक और पूरक हैं। वस्तुतः विद्यालय का समस्त जीवन पुस्तकालय द्वारा ही अनुप्राणित होता है और क्रियाशील बनता है।

उपरोक्त तथ्य को ध्यान मे रखकर उ0प्र0 के शामली जिले के चयनित माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पुस्तकालय के अध्ययन हेतु प्रस्तुत शोध वि"ाय का चयन किया गया है।

2. समस्या का चयन (समस्या कथन)

शोधार्थी ने समस्या को एक कथन के रूप में प्रस्तुत किया है जो इस प्रकार है–

उ0प्र0 के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि पर पुस्तकालय के प्रभाव का अध्ययन (शामली जिले के सन्दर्भ में)

A Critical Study on the Effect of Library in the Achievement of Secondary School of U.P (In Reference of Shamli District)

3. अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध समस्या के अध्ययनार्थ शोद्यार्थी ने निम्नलिखित उद्देष्य निर्धारित किये हैं –

शामली जिले निजी एवं सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में पुस्तकालयों के उपयोग से छात्र–छात्राओं शैक्षिक उपलब्धि पर पढ़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

4. परिकल्पना

शोधार्थी ने 'ाोध मे निम्नलिखित परिकल्पना के दौरान काम मे लेने का प्रयास किया हैं–

शामली जिले के सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि प्राप्तांकों व पुस्तकालयों की समस्याओ मे कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

5. अनुसंधान विधि

शोधार्थी ने अनुसंधान हेतु सर्वेक्षण विधि का चयन किया है।

6. न्यादर्श का चयन

प्रस्तुत अध्ययन हेतु उ0प्र0 के शामली जिले के कुल 6 माध्यमिक विद्यालयों से जिसमें से 3 विद्यालय सरकारी एवं 3 विद्यालय निजी हैं, कुल 120 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। प्रत्येक विद्यालय से 20 विद्यार्थी (10 छात्र एवं 10 छात्रा) को चयनित किया गया। सम्पूर्ण न्यादर्श (विद्यालय एवं विद्यार्थियों) के चयन में दैव निर्देशन पद्धत्ति का उपयोग किया गया। शोध हेतु प्रयुक्त शोध अभिकल्प निम्नलिखित हैं –

सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् समग्र छात्र एवं छात्राओं की तुलना सरकारी एवं निजी क्षेत्र मे माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् समग्र छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक विश्लेषण शामली जिले के सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् समग्र छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के तुलनात्मक अध्ययन हेतु आवृत्ति, प्रतिशत, 'टि' मूल्य एवं सार्थकता को सारणी संख्या 4.25 सें प्रदर्शित किया गया है।

www.ignited.in

सारणी संख्या 1.1

सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् समग्र छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक विश्लेषण

	छात्र	छात्राऐं
अध्यमान	65.85	68.72
मनक विचलन	12.44	12.14
N	60	60
अध्यमान अंतर	2.87	
Sed	2.24	
'टी' मूल्य	1.28	
of	1.18	
सार्थकता	0.01	

सारणी 1.1 के अनुसार शामली जिले के निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् समग्र छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमशः 65.85 एवं 68.72 प्राप्त हुआ। जो यह स्पष्ट करता है कि सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् समग्र छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है। सारणी का आगे विश्लेषण करने पर सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् समग्र छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों का मानक विचलन क्रमशः 12.44 एवं 12.14 प्राप्त हुआ एवं मध्यमान अन्तर 2.87 तथा 'टी' का 1.28 प्राप्त हुआ, जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है एवं इंगित करता है। कि शामली जिले के सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् समग्र छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि मे सार्थक रूप से भिन्नता है।

शोध अभिकल्प

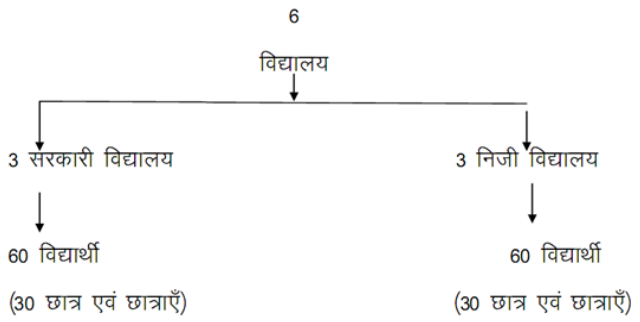

7. उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन को सफल बनाने तथा उद्देश्यों की सफलता पूर्वक प्राप्ती के लिए शोधार्थी ने एक स्वनिर्मित परिक्षण को उपकरण के रूप मे चयन किया है।

8. प्रदत्त संकलन

न्यादर्शों के चयन एवं उपकरण के निर्माण के पश्चात् सभी चयनित विद्यालयों मे संस्था प्रधानों से पूर्वानुमति लेकर व्यक्तिगत रूप से सभी विद्यालयों मे जाकर उनसे प्रदत्त संकलन किया गया। प्रदत्त संकलन हेतु सभी चयनित न्यादर्शों से सौहार्दपूर्ण वातावरण मे स्वनिर्मित परिक्षण को पूर्व एवं पश्चात् परिक्षण हेतु भरवाया गया। प्राप्त तथ्यों को सारणीबद्ध किया गया । तत्पश्चात् प्राप्त तथ्यों का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण मे निम्न सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया।

9. सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रस्तुत अनुसंधान मे सांख्यिकीय प्रविधियों के अन्तर्गत मध्यमान मानक विचलन एवं 'टी' मान का परिकलन किया गया।

10. समस्या का परिसीमन

प्रस्तुत शोध का परिसीमन, समय एवं साधनों की सीमितता का ध्यान में रखते हुए निम्न प्रकार से किया गया है –

- प्रस्तुत अध्ययन के लिए प्रयोजनों का चयन उ0प्र0 के शामली जिले से किया जायेगा।
- न्यादर्श मे उन्ही विद्यालयों का चयन किय जायेगा जिनमे पुस्तकालय हो।

11. आँकडों का विश्लेषण

प्रस्तुत शोध मे शोधार्थी ने संकलित तथ्यों का सारणीयन एवं गहन सांख्यिकीय विश्लेषण का व्याख्या की तथा यथा स्थान दण्ड आरेख का भी प्रयोग किया।

12. निष्कर्ष

संकलित तथ्यों के विष्ले"ाण से निम्न नि"र्क"ा प्राप्त हुए–

सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् समग्र छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि मे सार्थक रूप से भिन्नता है।

13. सुझाव

प्राप्त निष्कर्षो के आधार पर निम्न सुझाव प्रस्तुत हैं –

- पुस्तकालय के क्षेत्र की उपलब्धता का शैक्षिक उपलब्धि प्राप्तांक के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नही प्राप्त हुआ है। अर्थात् विद्यालयों मे बडें अथवा छोटे पुस्तकालय विभाग की स्थापना को लेकर व्यर्थ चिंता को छोडकर केवल स्थापना की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। कम बजट मे भी एक बार छोटे स्थान पर पुस्तकालय को शुरू कर भविष्य में उनकी परिधि को बढाने पर विचार किया जा सकता है।

14. परिकल्पनाओं का सत्यापन

अध्ययन से पूर्व निम्न परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया था। अध्ययन के पश्चात् निष्कर्षों के आधार पर उन परिकल्पनाओं का सत्यापन करना प्रासंगिक हो जाता है।

- ▶ शामली जिले के सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों की "ौक्षिक उपलब्धि मे कोई सार्थक अन्तर नही है।
- ▶ सारणी के विष्ले"ाण एवं प्राप्त नि"र्क"ाों के अवलोकन से स्प"ट होता है। कि 'ाामली जिले के सरकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् विद्यार्थीयों की "ौक्षिक उपलब्धि सार्थक रूप मे भिन्न–भिन्न है

www.ignited.in

अर्थात 'ाामली जिले के सरकारी एंवं निजी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत विद्यार्थीयों की "ौक्षिक उपलब्धि सार्थक रूप से अन्तर है। अतः उपरोक्त परिकल्पना अमान्य सिद्ध हुई।

- पुस्तकालय का वातावरण शान्त, सौम्य एवं पठन योग्य बनाने की आवश्यकता है।

प्रस्तुत अध्ययन विद्यार्थीयों द्वारा पुस्तकालय के उपयोग एवं उससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पडने वाले प्रभाव से सम्बन्ध जानकारी के जिज्ञासुओ एवं भवि"य मे होने वाले शोध कार्यो के लिए मील के पत्थर का कार्य करेगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Garrett, Henry E. (1981). "Statistics in Psychology and Education", Vakils Feffer & Simons Ltd. Bombay.

Good, C.V. (1959). "Introduction to Education research", Appleton Century Crafts, Inc. New York.

शर्मा एस के एवं पाण्डेय (1995). पुस्तकालय एवं समाज ग्रन्थ अकादमी नई दिल्ली।

Corresponding Author

Balwant Singh Rajodiya*

Lecturer (Library Science), V.S.P. Govt. P.G. College, Kairana (Shamli) U.P.

E-Mail – balwantjyotirajodiya@gmail.com